CERTIFICATE

Certified that the contents of this thesis comprise original research work of the candidate and have at no time been submitted for any other Degree

Avasthi 1-1-93

Miss SANGEETA AVASTHI
CANDIDATE

PROF. VASANT C. RANADE
GUIDE

PROF. VASANT C. RANADE
HEAD

DEPTT. OF MUSIC (INST.)

for SHRI. HARIVADAN PARIKH
OFFICER ON SPECIAL DUTY

FACULTY OF PERFORMING ARTS
M.S.UNI. BARODA

Certificate

प्रमाणपत्र

सम्राट अकबर के समय भारतीय (हिंदुस्तानी) शास्त्रीय संगीत चरमोत्कर्ष पर था ऐसा माना जाता है. स्वामी हरिदास व उनके शिष्य तानसेन की कलासिद्धि की प्रशंसा सभी ने की है. परंतु, यह प्रशंसा आज केवल पढ़ने मे ही आती है. पिछले ५०-१०० वर्षों में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में जो सिद्ध-हस्त कलाकार हुवे, उनकी कलासिद्धि का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किये हुवे कलापारखी आज भी विद्यमान है व उनका यह सामान्य दृष्टिकोण है कि, वर्तमान मे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की स्थिति गिरी है. वे वयस्क कलाकार भी स्वीकार करते है कि, आज, संगीत की शैक्षिक, पारंपारिक, प्रात्यक्षिक व पारखी गुणात्मकता काफी नीचे आयी है.

सम्राट अकबर से लेकर वर्तमान तक की शास्त्रीय संगीत की यात्रा यदि उपरोक्तानुसार रही तो यह प्रश्न स्वाभाविक ही उठता है की उसकी भविष्य की यात्रा कैसी होगी.

भारतीय (हिंदुस्तानी) शास्त्रीय संगीत के भविष्य पर निबंध, लघुलेख अन्यत्र लिखे गये है परंतु, शोधकार्य के माध्यम से लिखा गया यह प्रथम विस्तृत प्रबंध है ऐसा मेरा अभिमत है.

प्रस्तुत प्रबंध की लेखिका कु. संगीता अनस्थी ने शास्त्रीय संगीत के विभिन्न पहलुओं को, अपने अध्ययनशील ~~~~ विचार व अथक परिश्रम से देखने का प्रयास किया है. आज की विकृत सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक व सांस्कृतिक स्थिति में भी भारतीय शास्त्रीय संगीत के स्तर को कैसे बेहतर बनाया व रखा जा सकता है इसका भी निरूपण शोधछात्रा ने किया है.

(प्रो. वसंत रानडे)
निर्देशक